

## Tally ERP 9 Notes

### Basic Accounting Terms

**Basic Accounting Terms** Introduction of Accounting वर्तमान में व्यवसाय का क्षेत्र काफी विस्तृत हो चुका है। वैश्विक ( Global) अर्थव्यवस्था एवं व्यवसाय के बदलते परिवेश में वित्तीय लेन-देनों की जटिलताओं में भी वृद्धि हुई है , फलस्वरूप वित्तीय व्यवहारों के नियमन के लिये लेखा - जोखा रखना एक व्यावसायिक संगठन के लिये आवश्यक हो गया है। प्रत्येक लेन-देनों को याद रखना बड़ा मुश्किल एवं असम्भव है । इसी कारण बहीखाता का प्रादुर्भाव हुआ। लूकास पेसियोली को पुस्तपालन (Bookkeeping) का जन्मदाता कहा जाता है

भारत में लेखांकन प्रमापों के निर्धारण तथा लेखाकारों के प्रशिक्षण का कार्य Institute of Chartered Accountants of India and Institute of Costs and Works Accountants of India द्वारा किया जाने लगा है।**Basic Accounting Terms**

### Meaning and Definition of Book – Keeping

#### बहीखाता का अर्थ एवं परिभाषा

बहीखाता को पुस्तपालन भी कहते हैं। इसका आशय है लेन-देनों को पुस्तकों में लिखना। व्यवसाय में कई प्रकार के मौद्रिक लेन-देन होते हैं जिनका व्यवस्थित रूप से पुस्तकों में लेखा करना आवश्यक होता है। व्यवसाय के समस्त वित्तीय लेन-देनों का नियमित , विधिवत, शुद्ध एवं स्पष्ट रूप से लेखा करने की कला को ही बहीखाता अथवा पुस्तपालन कहते हैं। जिस दिन लेन-देन होता है उसी दिन बहीखाता का कार्य किया जाता है। परिभाषयें:- कार्टर के अनुसार - "बहीखाता उन समस्त व्यापारिक लेन-देनों का उचित ढंग से लेखा करने की कला है एवं विज्ञान है, जिसके फलस्वरूप मुद्रा के मूल्य का हस्तांतरण होता है। जे. आर. बाटलीबाँय के अनुसार - "बहीखाता व्यापारिक व्यवहारों को उचित शीर्षकों के अंतर्गत लेखा करने की कला है।

#### लेखांकन अर्थ एवं परिभाषा

### Meaning and Definition of Accounting

बहीखाता का कार्य केवल वित्तीय सौदों को हिसाब की पुस्तकों में नियमानुसार लिखना है, जबकि लेखांकन उनका वर्गीकरण व सारांशीकरण कर वित्तीय परिणाम को प्रस्तुत करता है। व्यवसाय को आर्थिक परिणाम जानने के लिये बहीखाता में लिखे गये लेन-देनों का संग्रह , वर्गीकरण,

सारांशीकरण कर उनका विश्लेषण करना आवश्यक है , तभी कोई व्ययसायी अपने व्यवसाय के परिणाम का निष्कर्ष निकाल सकता है। इस कार्य को लेखांकन के द्वारा पूर्ण किया जाता है

**लेखांकन के उद्देश्य**

### **Objective of Accounting**

लेखांकन, जैसा कि हम जानते हैं कि समस्त व्यावसायिक व्यवहारों का पुस्तकों में विधिवत लेखा है। व्यवसाय एवं उपक्रम से संबंधित समस्त वित्तीय व्यवहारों की जानकारी लेखांकन के माध्यम से प्राप्त हो जाती है। इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

1. पूंजी का ज्ञान:-
2. क्रय - विक्रय का ज्ञान:-
3. देनदारों एवं लेनदारों का ज्ञान:-
4. व्ययसाय की वित्तीय स्थिति की जानकारी
5. लाभ - हानि का ज्ञान

### **Definition of Accounting**

Accounting : - वह प्रोसेस है जिसके द्वारा वि वित्तीय लेनदेन का पहचान कर ( Identification) एंट्री करना , सारांशीकरण कर रिपोर्ट तैयार करना होता है जिसके द्वारा व्यापार के वि वित्तीय स्थिति को जाना जा सकता हैं। लेखांकन कहलाता हैं।

### **Basic Accounting Terms - टैली की शब्दावली**

#### **Business : -**

लाभ कमाने के उद्देश्य से किया गया वैधानिक कार्य व्यवसाय कहलाता हैं व्यवसाय एक व्यापक शब्द है जिसके अंतर्गत व्यापार, उत्पादन कार्य, वस्तुओं या सेवाओं का क्रय - विक्रय, बैंक, बीमा, परिवहन कम्पनियाँ इसके अंतर्गत आते हैं।

#### **Types of Business**

1. Manufacturing (उत्पादन)
2. Trading (विक्रय)
3. Servicing (सेवा)

### Trade (व्यापार):-

लाभ कमाने के उद्देश्य से किया गया वस्तुओं का क्रय - विक्रय व्यापार कहलाता है।

### Profession (पेशा या वृत्ति):-

आय अर्जित करने के लिए किया गया कोई कार्य या साधन जिसके लिए पूर्व प्रशिक्षण आवश्यकता होती है, पेशा कहलाता है जैसे - डॉक्टर, शिक्षक, वकील इत्यादि के कार्य पेशा के अंतर्गत आते हैं।

### Proprietor (स्वामी या मालिक):-

व्यवसाय को प्रारम्भ करने वाला व्यक्ति जो आवश्यक पूँजी की व्यवस्था करता है तथा लाभ प्राप्त करने के अधिकारी व हानि का जोखिम वहन करता है, व्यवसाय का स्वामी कहलाता है।

### Capital (पूँजी):-

व्यवसाय के स्वामी द्वारा व्यवसाय को प्रारम्भ करने के लिये धन, रोकड़ या अन्य सम्पत्ति के रूप में लगाया जाता है उसे पूँजी कहते हैं। व्यवसाय में पूँजी लाभार्जन के उद्देश्य से लगाई जाती है लाभ का वह भाग जो व्यवसाय से निकाला नहीं गया है, पूँजी:- सम्पत्तियाँ - दायित्व

### Drawing (आहरण):-

व्यवसाय के स्वामी द्वारा व्यवसाय के निजी उपयोग के लिये जो माल या रोकड़ निकाल लिये जाते हैं, उसे आहरण या निजी व्यय कहते हैं। आहरण से पूँजी की मात्रा कम हो जाती है।

### Transaction (सौदा या लेन - देन):-

दो पक्षों के मध्य होने वाले मुद्रा, माल या सेवा के पारस्परिक विनिमय; म्गर्बीदहमद्ध को सौदे लेन - देन कहते हैं। माल का क्रय - विक्रय, भुगतान का लेना - देना आदि आर्थिक क्रियाएँ व्यावसायिक सौदे या लेन - देन कहते हैं। **Types of Transaction** 1. Cash Transaction (नगद लेन-देन) 2. Credit Transaction (उधार या साख लेन-देन) 3. Bill Transaction (बिल लेन-देन)

### **Basic Accounting Terms Tally ERP 9 Notes**

### **Goods (माल) :-**

माल उस वस्तु को कहते हैं, जिसका क्रय - विक्रय या व्यापार किया जाता है। माल के अंतर्गत वस्तुओं के निर्माण हेतु प्राप्त कच्ची सामग्री, अर्द्धनिर्मित सामग्री या तैयार वस्तुएं हो सकती हैं

### **Purchase (क्रय) :-**

जब व्यापारी द्वारा विक्रय हेतु माल की खरीदी की जाती है, उसे क्रय कहा जाता है। यह खरीदी कच्ची सामग्री या तैयार माल के रूप में हो सकती है। सम्पत्तियों का क्रय, क्रय में शामिल नहीं है, क्योंकि ये पुनः विक्रय के लिये नहीं होती हैं।

### **Purchase Return (क्रय वापसी) :-**

क्रय किये गये माल में से किसी कारणवश जो माल वापस कर दिया जाता है, उसे क्रय वापसी अथवा बाह्य वापसी (Return Outward) कहते हैं।

### **Sales (विक्रय) :-**

लाभ प्राप्ति के उद्देश्य से जब क्रय किया हुआ माल बेजा जाता है उसे विक्रय कहते हैं। नगद माल बेचने को नगद विक्रय (Cash Sales) तथा उधार माल बेचने को उधार विक्रय (Credit Sales) कहते हैं।

### **Sales Return (विक्रय वापसी) :-**

विक्रय किये गये माल में से किसी कारणवश ग्राहक द्वारा वापस कर दिया जाता है, उसे विक्रय वापसी अथवा आन्तरिक वापसी कहते हैं। टैली में Sales Return होने पर उसे जर्नल वाउचर या डेबिट नोट में एंट्री किया जाता है।

### **Stock (स्टॉक या स्कंध) :-**

एक निश्चित समयावधि के उपरान्त जो माल बिकने से रह जाता है, उसे स्टॉक कहते हैं किसी व्यापारिक वर्ष के अंतिम दिन जो बिना बिका माल रह जाता है उसे अंतिम स्टॉक (Closing Stock) कहते हैं। नवीन व्यापारिक वर्ष के प्रारंभ में यही स्टॉक, प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock) कहलाता है।

## Assets (सम्पत्तियाँ):-

व्यवसाय की ऐसी सभी स्थायी एवं अस्थायी वस्तुएं जो व्यवसाय को चलाने के लिये आवश्यक होती हैं तथा का जिन पर व्यवसायी स्वामीत्व होता है, सम्पत्तियाँ कहलाती हैं। जैसे - यंत्र, भूमि वभन तथा व्यवसाय की निजी उपयोग में होने वाले सभी यंत्र, फर्नीचर, प्रिंटर, कम्प्यूटर इत्यादि।

### Types of Assets

1. **Fixed Assets** स्थायी सम्पत्ति () - यंत्र, भूमि वभन तथा व्यवसाय की निजी उपयोग में होने वाले सभी यंत्र, फर्नीचर, प्रिंटर, कम्प्यूटर इत्यादि
2. **Current Assets** चल सम्पत्ति () - नगद रोकड. बैंक नगद इत्यादि

## Basic Accounting Terms

### Liabilities (दायित्व या देयताएँ):-

व्यवसाय के देयधन को दायित्व कहते हैं व्यवसाय में कुछ आवश्यक राशियाँ ऐसी होती हैं, जिनको चुकाने का दायित्व व्यवसाय पर होता है जैसे - पूँजी, देयविपत्र, लेनदार, बैंक अधिविकर्ष आदि।

### Revenue (राजस्व):-

राजस्व से आशय ऐसी राशि से है जो माल अथवा सेवाओं के विक्रय से नियमित रूप से प्राप्त होती है। व्यवसाय के दिन - प्रतिदिन के क्रिया-कलापों से प्राप्त होने वाली राशियाँ जैसे - किराया, व्याज, कमीशन, बट्टा, लाभांश आदि भी राजस्व कहलाते हैं।

### Expenses (व्यय):-

व्यवसाय में माल, वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन या प्राप्ति करने के लिये जो लागत आती है। व्यय कहते हैं। माल तथा सेवाओं की प्राप्ति के लिये भुगतान व्यय के अंतर्गत आते हैं। मजदूरी, भाड़ा, रेल गाड़ी तथा माल के वितरण एवं विक्रय पर भुगतान गया वेतन, किराया, विज्ञापन, व्यय, बीमा आदि भी व्यय में शामिल हैं। संक्षिप्त में राजस्व में वृद्धि करने की लागत को व्यय कहते हैं।

## Types of Expenses

### 1. Direct Expenses -

माल तथा सेवाओं की प्राप्ति के लिये भुगतान - मजदूरी , भाड़ा, रेल गाड़ी तथा माल के वितरण एवं विक्रय पर भुगतान

### 2. Indirect Expenses -

राजस्व में वृद्धि , वेतन, किराया, विज्ञापन, व्यय, बीमा आदि Expenditure (खर्च):- खर्च वह राशि होती है जो व्यवसाय की लाभ-अर्जन क्षमता की वृद्धि हेतु भुगतान की जाती है। व्यवसाय में सम्पत्तियों के अधिग्रहण या प्राप्ति हेतु जो भुगतान किया जाता है वह खर्च कहलाता है।

### Gain (लाभ):-

यह एक प्रकार की मौद्रिक प्राप्ति है, जो व्यवसाय के फलस्वरूप प्राप्त होती है जैसे यदि 1,00,000 रुपये मूल्य की माल को 1,50,000 रुपये में बेचा जाएगा तो 50,000 रुपये की प्राप्ति लाभ कहलेगा।

Basic Accounting Terms

### Cost (लागत):-

व्यवसाय एवं उसके कार्यों में प्रयोग होने वाले कच्चे माल, सेवा व ऋण, उत्पादन या उसे उपयोगी बनाने हेतु किये जाने वाले समस्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्ययों के योग को ही वस्तु की लागत कहते हैं। वस्तु के अंतर्गत कच्चा माल या सम्पत्तिया शामिल रहती है।

### Discount (कटौती, बट्टा या छूट):-

व्यापारी द्वारा अपने ग्राहकों को दी जाने वाली रियायत को कटौती , छूट या बट्टा कहते हैं। इसे उपहार भी कहा जाता है। बट्टा दो प्रकार के होते हैं -

1. व्यापारिक बट्टा ( Trade Distcount) :- विक्रेता अपने ग्राहकों को माल खरीदते समय उसके अंकित मूल्य अर्थात् सूची मूल्य में जो रियायत (छूट देता है) करता है, उसे व्यापारिक बट्टा कहते हैं यह माल की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से दिया जाता है। इसका लेखा पुस्तको में नहीं किया जाता है

**2. नगद बट्टा (Cash Discount) :-** निश्चित अथवा निर्धारित अवधि में नगद राशि या चैक द्वारा मूल्य का भुगतान करने पर जो छूट दी जाती है, उसे नगद बट्टा कहते हैं इसका लेखा पुस्तको में किया जाता है

**Debitor (देनदार या ऋणी):-**

जो व्यक्ति, फर्म या संस्था से माल अथवा सेवाएं उधार लेते हैं, उसे व्यापार का ऋणी या देनदार कहते हैं। देनदारो को 'विविध देनदार' ;ैनदकंतल कमइजवतेद्ध कहते हैं।

**Creditor (लेनदार या ऋण दाता):-**

जिस व्यक्ति, फर्म या संस्था से माल अथवा सेवाएं उधार ली जाती हैं उसे ऋणदाता या लेनदार कहते हैं माल उधार खरीदने पर ही लेनदारों का उदय होता है लेनदारो को 'विविध लेनदार' (Sundry Creditors) कहते हैं। जैसे - लखन प्याम से 2 प्रिंटर 20000 रूपये मे खरीदा ।  
Receivable (प्राप्य):- व्यवसाय से सम्बन्धित ऐसी राशि जिसको प्राप्त किया जाना है उसे प्राप्य कहते हैं। व्यापार में माल की उधार बिक्री होने पर क्रेता को देनदार कहा जाता है , जिन्से राशि प्राप्त की जाना होती है **Basic Accounting Terms**

**देयतायें (Payable) -**

व्यवसाय में कुछ ऐसी राशियां होती हैं जिन्हें भविष्य में व्यापारी को चुकाना होता है उन्हें देयताएं (Payable) कहते हैं। जिन्से व्यापार द्वारा उधार माल क्रय किया जाता है वे व्यापार के लेनदार (Creditors) कहते हैं।

**Entry (प्रविश्ट):-**

लेन देन को हिसाब की पुस्तको में लिखना प्रविश्ट कहते हैं

**कुल बिक्री (Turn Over) -**

एक निश्चित में होने वाले नगद तथा उधार विक्रय का योग कुल विक्रय या Turn Over कहते हैं।  
विक्रय नगद + विक्रय उधार = Turn Over

**Insolvent / दिवालिया:-**

जो व्यक्ति अपना ऋण चुकाने में असमर्थ हो जाता है उसे दिवालिया कहते हैं। ऐसे व्यक्ति का दायित्व उसकी सम्पत्ति के मूल्य से अधिक होता है। ऐसी स्थिति में वह अपना ऋण पूरी मात्रा में नहीं चुका सकता है। आंशिक रूप में ऋण चुकाने के लिये उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ती है। न्यायालय उसे दिवालिया घोषित कर आंशिक रूप से ऋण चुकाने की अनुमति दे देता है जिससे वह अपने ऋण से मुक्त हो जाता है

### **Bad Debts / ऋण:-**

ऋणी की असमर्थता अथवा दिवालिया हो जाने के कारण जो रकम वसूल नहीं हो पाती, लेनदार के लिये डूबत-ऋण या अप्राप्य ऋण कहलाती है।

### **नामे और जमा (Debit and Credit) :-**

प्रत्येक खाते के दो पक्ष होते हैं। बायें पक्ष को नामे कमड़पज या विकलन तथा दाहिने पक्ष को जमा बतमकपज या समाकलन कहते हैं। किसी खाते के बाएं पक्ष में लेखा करना नामे लेखा कहलाता है जिसे परम्परागत रूप से संक्षेप में Dr. लिखते हैं इस प्रकार खाते के दाहिने पक्ष में लेखा करना जमा लेखा कहलाता है जिसे परम्परागत रूप से Cr. लिखते हैं। यह उल्लेखनीय है कि भारतीय बहीखाता प्रणाली में नामे पक्ष दाहिनी ओर तथा जमा बायीं ओर होता है।

### **Commission / कमीशन या वर्तन:-**

व्यापारिक कार्यों में सहयोग करने अथवा प्रतिनिधित्व करने के प्रतिफल में प्रतिनिधि या अभिकर्ता;।हमदजद्व को जो पारिश्रमिक दिया जाता है उसे कमशीन कहते हैं

### **फर्म (Firm) :-**

सामान्य अर्थ में फर्म से आशय उस संस्था से है जो कि साझेदारी स्थापित कर व्यापारिक या व्यावसायिक कार्य करती है किंतु व्यापक अर्थ में प्रत्येक व्यापारिक इकाई को फर्म के नाम से संबोधित किया जा सकता है।

### **Account / Leger / खाता :-**

लेजर या खाता एक तालिका है जिसमें सोँदा उनके स्वभाव के अनुसार वर्गीकृत करके एक शीषक के अंतर्गत एक स्थान पर क्रम से लिखा जाता है सरल शब्दों में किसी व्यक्ति, सम्पत्ति



तथा आय-व्यय आदि से संबंधित लेखों को छांटकर जो सूची बनाई जाती है उसे खाता या लेजर है।

Account शब्द का अंग्रेजी में संक्षिप्त रूप में A/c होता है। लेखों में प्रायः इस संक्षिप्त रूप का ही प्रयोग होता है और प्रत्येक खाता दो पक्षों में विभाजित रहता है। बायें पक्ष को नामे Debit और दाहिने पक्ष को Credit कहते हैं

## How to Create Company in Tally ERP 9 Notes

टैली में कार्य करने के लिए इसमें उपयोगकर्ता को मुख्यतः 4 कार्य करने होते हैं -

1. Company Creation (कम्पनीबनाना)
2. Ledger Creation (लेजरबनाना)
3. Inventory Management (स्टॉक प्रबंधन)
4. Voucher Entry (वाउचरएंट्रीकरना)

जब हम पहली बार किसी व्यवसाय, शॉप, संस्था या फर्म को टैली में मैनेज करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस फर्म के नाम से कम्पनी तैयार करनी होगी। यह कम्पनी टैली में कार्य की शुरुआत करने से पहले बनाई जाती है।

## Company Creation Tally ERP 9 Notes (कम्पनी बनाना)

टैलीमें कम्पनी बनानेके लिए निम्नलिखित स्टेप का पालन करे -

1. कम्पनीइन्फो मैन्यू में जाये
2. Create Company का ऑप्शन को सेलेक्ट करे
3. शॉर्टकट key Alt + F1 या शॉर्टकट key Alt + F3 में जाकरCreate Company विकल्पचुनें।

इस विकल्प को चुनते ही हमारे सामने company creation का window खुलेगा जिसमें मांगे गए जानकारी को भरे और Ctrl+A button प्रेस कर सेव करे.

Details to be filled in company creation window

## Fill Basic Data

- **Directory** - यह फील्ड पहले से ही भरा हुआ होता है इस फील्ड में टैली का वह पाथ होता है , जहाँ टैली सॉफ्टवेयर लोड होता है । कर्सर इस फील्ड को छोड़ देता है और बनाई जाने वाली कम्पनी स्वतः ही इस डायरेक्ट्री में स्टोर हो जाती है।
- **Name** - इस फील्ड में वह नाम एंटर करें , जिस नाम से कम्पनी बनाना चाहते हैं जैसे Trisha Pvt Ltd।
- **Mailing Name** - इस फील्ड में कम्पनी का मैलिंग नेम एंटर करें । सामान्यतः कम्पनी का नाम ही मैलिंग नेम होता है ।
- **Address** - इसफील्ड में कम्पनीका पूरा पताएंटर किया जाताहैं ।
- **State** - इस फील्ड में उस राज्य को एंटर किया जाता है जिस राज्य में आपका कारोबार स्थापित है ।
- **Pin Code** - इस फील्ड में उस स्थान का पिन कोड एंटर करें , जहाँ कम्पनी स्थापित है ।
- **Telephone Number** - इस फील्ड में कम्पनी का टेलीफोन नम्बर एंटर करें ।
- **E-mail Address** - इस फील्ड में कम्पनी का ई - मेल एड्रेस एंटर करें ।
- **Website** - इस फील्ड में कम्पनी का वेबसाइट एंटर करें

## Books and financial year details

- **Financial Year From** - इस फील्ड में वित्तीय वर्ष शुरू होने की तिथी एंटर करें जैसे - 01 - Apr - 2019
- **Books Beginning From** - इस फील्ड में बुक्स ऑफ एकाउंट्स शुरू करने की तिथी एंटर करें जैसे - 01 - Apr - 2019।
- **Security Control** - यदि आप कम्पनी पर सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय करना चाहते हैं , तो इस ऑप्शन को यस करें और इसे यस करने के बाद इसमें यूजर नेम और पासवर्ड एंटर करें ।

## Base Currency Information

ये सभी फील्ड ऑटोफिल होते है अपने आवश्यकता अनुसार चेंज कर सकते है

### Base currency symbol

- Formal name
- Suffix symbol to amount?
- Add space between amount and symbol?

- Show amount in millions?
- Number of decimal places
- Word representing amount after decimal
- Number of decimal places for amount in words

अब अंतिम में सभी जानकारी भरने के बाद ,एंटर बटन दबाकर या Ctrl + A बटन दबाकर जानकारी को सेव कर ले।

## Select company in tally कम्पनी सलेक्ट करना Tally ERP 9 Notes

Gateway of Tally - **F1** ( Select Company )

या

Gateway of Tally - **Alt + F1** ( Select Company )

या

Gateway of Tally - **Alt + F3** ( Select Company )

## Alter company in tally कम्पनी में सशोधन करना - Tally ERP 9 Notes

यदि आप पहले से बनाई हुई कम्पनी में किसी प्रकार का परिवर्तन करना चाहते हैं , तो गेटवे ऑफ टैली से **F1** कुंजी दबाकर वह कम्पनी सलेक्ट करें , जिसमें आप परिवर्तन करना चाहते हों । कम्पनी सलेक्ट करने के बाद **Alt + F3** कुंजी दबाए , जिससे कम्पनी इन्फो मैन्यू प्रदर्शित होगा । यहाँ से ऑल्टर ऑप्शन सलेक्ट करें । इससे कम्पनी ऑल्टरेशन स्क्रीन प्रदर्शित होगी । आप इसमें परिवर्तन करने के बाद इसे सेव कर दें ।

1. Gateway of Tally
2. Press **F1** ( Select the Company )
3. **Alt + F3**
4. Alter ⇔ Select company

## Delete comapy in tally कम्पनी हटाना - Tally ERP 9 Notes

किसी भी company को delete करने के लिए पहले उस company को select करें । फिर Alt + F3 कुंजी दबाकर कम्पनी इन्फॉ मैन्यू से Alter ऑप्शन सलेक्ट करें । जिस कम्पनी को डिलीट करना चाहते हैं उसे सलेक्ट करें और सलेक्ट करने के बाद उसे Alt + D कुंजी का प्रयोग करें । जिससे सलेक्ट की हुई कम्पनी डिलीट हो जायेगी ।

1. Gateway of Tally
2. Press F1 ( Select the Company ) Alt + F3
3. Alter
4. Select company
5. Alt + D

## What is Ledger and how to create in tally Tally ERP 9 Notes?

What is Ledger and how to create in tally?

Creating a Ledger in Tally - Tally ERP 9 Notes

**Account / Ledger / खाता :-** लेजर या खाता एक तालिका है जिसमें सोँदा उनके स्वभाव के अनुसार वर्गीकृत करके एक शीर्षक के अंतर्गत एक स्थान पर क्रम से लिखा जाता है सरल शब्दों में किसी व्यक्ति, सम्पत्ति तथा आय-व्यय आदि से संबंधित लेखों को छांटकर जो सूची बनाई जाती है उसे खाता या लेजर है।

Account शब्द का अंग्रेजी में संक्षिप्त रूप में A/c होता है। लेखों में प्रायः इस संक्षिप्त रूप का ही प्रयोग होता है और प्रत्येक खाता दो पक्षों में विभाजित रहता है। बाये पक्ष को नामे Debit और दाहिने पक्ष को Credit कहते हैं टैली में लेजर या खाता बनाना ():- टैली में लेजर बनाने के लिए निम्नलिखित स्टेप का पालन करते हैं -

1. Gateway of Tally
2. Accounts Info
3. Ledgers
4. Create

इन स्टेप का पालन करने पर इसका डायलाॅग बॉक्स दिखाई देता है

टैली में हम दो प्रकार से खाता निर्माण कर सकते हैं 1. Single Ledger 2. Multipal Ledger  
1. Single Ledger - इस ऑप्शन के माध्यम से एक बार में केवल एक ही खाता निर्माण कर सकते हैं

2. Multipal Ledger - इस ऑप्शन के माध्यम से एक बार में एक से अधिक खातों निर्माण कर सकते हैं

सम्पूर्ण नोट्स के लिए 8839542410 पर **WhatsApp** करें।

CG Market Guru . Com